Literacy for a Billion

Movie: Mausam
Year: 1976

Song: Ruke Ruke Se Kadam
Lyricist: Gulzar

रुके रुके से क़दम
रुक के बार बार चले
रुके रुके से क़दम
रुक के बार बार चले
क़रार देके तेरे दर से
बेक़रार चले

रुके रुके से क़दम
रुक के बार बार चले
रुके रुके से क़दम

सुबह ना आई
कई बार नींद से जागे
सुबह ना आई
कई बार नींद से जागे
थी एक रात की
ये ज़िन्दगी गुज़ार चले
थी एक रात की

ये ज़िन्दगी गुज़ार चले
रुके रुके से क़दम

उठाए फिरते थे
एहसान दिल का सीने पर
उठाए फिरते थे
एहसान दिल का सीने पर
ले तेरे क़दमों में
ये कर्ज़ भी उतार चले
ले तेरे क़दमों में
ये कर्ज़ भी उतार चले

क़रार देके तेरे दर से
बेक़रार चले

रुके रुके से क़दम
रुक के बार बार चले
रुके रुके से क़दम

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.